

M.S.
26/11/97

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 37] मुनहि विली, शनिवार, सितम्बर 13, 1997 (भाद्रपद 22, 1919)

No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 13, 1997 (BHADRA 22, 1919)

इस भाग में मिलने पूछ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संस्करण से रुप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—कथ्य 4 (PART III—SECTION 4.)

(सामाजिक विकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं
अन्वित हैं)

(Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and
Notices issued by Statutory Bodies)

भारतीय रिपब्लिक

वित्तीय कम्पनी विभाग

(केन्द्रीय कारबालिय)

कलकत्ता

शुद्धिकरण

क्र०	राजावाद को पृष्ठ संज्ञा तथा पंक्ति संख्या	विवरण जैसा कि मुद्रण	विवरण जैसा कि राजपत्र	आवश्यक संशोधन
सं०		हेतु भेजी गई हमारी	में मुक्ति है	का स्वरूप

अधिसूचना की प्रतिलिपि
में दिखाई देते हैं

1	2	3	4	5
1.	2072/क्रम संख्या 8/अधिसूचना 101 के द्वितीय अनुसूची	अरुणाचल प्रदेश, आसाम, मणिपुर, मेघालय, मिजोराम, नागालैण्ड, और तिपुरा राज्य	अरुणाचल प्रदेश, आसाम, मणिपुर, निकुंठ राज्य	अरुणाचल प्रदेश, आसाम, मणिपुर, मेघालय, मिजोराम, नागालैण्ड और तिपुरा राज्य

सेम्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया

(केस्ट्रीब कार्यालय)

मुम्हई—400021, दिनांक 19 मार्च, 1997

शुद्धिपत्र

सं० ०का/कार्मिक/औसंवि/2388—“सेम्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया (अधिकारी) सेवा (संशोधन) विनियम, 1996” के नाम से विनियमन की एक अधिसूचना 26 अक्टूबर, 1996, प्रनिवार को भारत के राजपत्र के इस भाग और खण्ड में प्रकाशित हुआ था। प्रकाशन के अन्य हुए अधिसूचना में कुछ भूल और खूकों को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त संविधित अधिसूचना का शुद्धिपत्र निम्न प्रकार प्रेषित रहे हैं:—

पृष्ठ सं०	क्रम सं०	पंक्ति	वर्तमान	निम्न प्रकार पढ़ा जाए
1	2	3	4	5
5487	2	दूसरी	म	में
5487	4(1)क	7	वेतनमान 7	वेतनमान VII
		8	वेतनमान 6	वेतनमान VI
	4(1)ख	10	वेतनमान 5	वेतनमान V
	4(1)ग	11	वेतनमान 4	वेतनमान IV
	4(1)घ	14	वेतनमान 3	वेतनमान III
	4(1)ङ	15	वेतनमान 2	वेतनमान II
	4(2)क	17	वेतनमान 1	वेतनमान I
5488	4(2)क	4	वेतनमान 7	वेतनमान VII
		6	वेतनमान 6	वेतनमान VI
		8	वेतनमान 5	वेतनमान V
		9	वेतनमान 4	वेतनमान IV
		11	वेतनमान 3	वेतनमान III
		12	वेतनमान 2	वेतनमान II
		14	वेतनमान 1	वेतनमान I
	5(1)क	24	में	में
	5(1)ग	38	का	की
	5(1)घ	42	लटुंच	पुंच
	टिप्पणी	52	मं	में
	स्पष्टीकरण 2(क)	53	वतन विधि	वेतनशुद्धिया
	स्पष्टीकरण 2(ख)	24	अधिवार्धिता	अधिवार्धिता
5489	टिप्पणी (1)	35	होने पर	होने पर
	टिप्पणी (2)	46	म्य	को
		2	व्यक्तित	व्यक्तिक
		3	संघंदित	संघंधित
5490	टिप्पणी (2)	5	म्य	की
5491	41(4)	34	1 2 3 4	1 2
5492	2(क)	20	मामल म	मामले में
	2(ख)	26	समायोजन	समायोजन
		28	मामल म	मामले में
5493		38	एन० बालकण्णन	एन० बालकण्णन

जे० जे० भट्टाचार्जी
महाप्रबंधक (कार्मिक)

सिडिकेट बैंक

प्रधान कार्यालय

मणिपाल, दिनांक 21 अक्टूबर 1997

सं० 2077/एस०/0089/का०वि०भी०सं०द०(ग)---बैंककारी कंपनी (उपकरणों का व्यापक और व्यवस्था) ग्रांथानयम, 1970 (1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सिडिकेट बैंक के निदेशक मंडल भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करते के बाद तथा केन्द्र सरकार के पूर्व संस्थीकृति के साथ एतद्वारा निम्नांकित विनियम बनाता है ग्रांथानयम, 1970:

1. सक्रिय शीर्षक और प्रारम्भ :

(1) इन विनियमों को "सिडिकेट बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील) (संस्कारण) विनियमावली, 1997" कहा जाएगा।

(2) ये, सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन के दिनांक से प्रभावी होंगे।

2. सिडिकेट बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील) विनियमावली, 1997 में अनुसूची के लिए निम्नांकित की प्रति-स्वापित किया जाएगा:

"अनुशासन और अपील विनियम" की अनुसूची

क्रम सं०	पद का नाम/वर्ग	अनुशासनिक प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी	समीक्षा प्राधिकारी
1.	2	3	4	5
1.	कनिष्ठ प्रबंध श्रेणी वेतनमान -I झौर भव्य प्रबंध श्रेणी वेतनमान-II	(i) घंचलों में कार्यरत प्राधिकारियों के मामले में घंचल के सहायक महाप्रबंधक/ उप महाप्रबंधक	प्रधान कार्यालय में महाप्रबंधक	कार्यपालक निदेशक
		(ii). भारत में कहीं भी कार्यरत सभी प्राधिकारियों के संबंध में प्रधान कार्यालय में सहायक महाप्रबंधक/उप महाप्रबंधक	प्रधान कार्यालय में महाप्रबंधक	कार्यपालक निदेशक
2.	मध्य प्रबंध श्रेणी वेतनमान-III	प्रधान कार्यालय से सहायक महाप्रबंधक/उप महाप्रबंधक	प्रधान कार्यालय में महाप्रबंधक	कार्यपालक निदेशक
3.	वरिष्ठ प्रबंध श्रेणी वेतनमान-IV एवं V	प्रधान कार्यालय में महाप्रबंधक	कार्यपालक निदेशक	कार्यपालक निदेशक विभाग एवं प्रबंध विभाग एवं प्रबंध उपीय प्रबंध विभाग

1	2	3	4	5
४.	उच्च कार्यपालक श्रेणी वैतनमान-VI एवं VII	कार्यपालक निदेशक	प्रध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	मंडल की प्रबंध समिति

पाद टिप्पणी :—प्रमुख विनियम अधिसूचना सं० ० दिनांकित के अंतर्गत प्रकाशित किये गये श्रीर अधिसूचना सं० २ दिनांकित 11 जनवरी, 1997 के अंतर्गत अंतिम संशोधन किया गया है।

वाई० एम० शेट्टी
महाप्रबंधक (का)

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

केन्द्रीय कार्यालय

क० एएस० १/कार्मिक/प्र०स०वि० 1996—बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अजेंज और अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का ५) की धारा 12 की उप-धारा (२) के साथ पठित धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बैंक ऑफ महाराष्ट्र का निदेशक मंडल, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से श्रीर केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से, एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :

१. साक्षात् नाम और प्रारंभ :

(१) ये विनियम बैंक ऑफ महाराष्ट्र बैंक (श्रीधकारी) सेवा विनियम, 1996 कहलायेंगे।

(२) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

२. बैंक ऑफ महाराष्ट्र (श्रीधकारी) सेवा विनियमाबली, 1979 के विनियम १९ के उप विनियम (१) के पहले परंतुक में निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्—:

परन्तु बैंक अपने विवेक से आगे उप-विनियम (२) में की गई व्यवस्था के अनुसार विशेष समिति/विशेष समितियों द्वारा पुनरीक्षण के पश्चात्, यदि यह समझता है कि वह लोकहित में है तो किसी श्रीधकारी कर्मचारी को ५५ वर्ष की आयु पूरी करने पर या उसके बाद किसी भी समय अथवा श्रीधकारी कर्मचारी के रूप में या अन्यथा उसके ३० वर्ष की सेवा पूरी करने पर या उसके बाद किसी भी समय, इनमें से जो भी पहले हो, सेवा-निवृत्त कर सकता है।

श्री एम० एस० जोशी,
उपमहाप्रबंधक (कार्मिक)

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (केन्द्रीय कार्यालय)
नई घर्ली-110066, दिनांक 13 अप्रैल 1997

आवंटन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

सं. 2/1959/डी. एल. वाई०/भा०-1/1334—जहां
बनामूली-१ में उल्लिखित विवेकार्थी ने (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण-स्थापने अधिनियम, 1952 (1952 का १९) को उपलब्ध-२ (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए

चौंक केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि
उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग वंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा मिशन की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि

एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधंप सहबध बीमा स्कीम, 1976 के बंदरगत स्थिकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनु-

सूची में उल्लिखित शहरों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को अस्थेक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त औंध प्रबंध ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत हील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची 1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० फ० न० फाइल नं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मै० जी० पुलारेड्डी इन्डियारिंग कालेज कुरनूल, 518002—आंध्र प्रदेश।	ए० पी०/16295	1-10-92 से 30-9-95	2/31/96/डी० एल० आई०
2.	मै० मनजीरा ग्रामीण बैंक संघा रेड्डी मेडक ज़िला 502001—आ० प्र०।	ए० पी०/14111	1-3-94 से 28-2-97	2/32/96/डी० एल० आई०
3.	मै० दी हैदराबाद पट्टिलक म्हूल रमान्यापुर हैदराबाद 500013—आंध्र प्रदेश।	ए० पी०/10745	1-3-83 से 28-2-86 1-3-86 से 28-2-89 1-3-89 से 29-2-92 1-3-92 से 28-2-95	2/28/94/डी० एल० आई०

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे नियोजक समाज के प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बांध के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रका जाता, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, नियोजक समाज का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहान नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रारूप और उस की मामें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुबाद स्थापना के बहुत बहुत प्रदर्शन करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदृश्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदृश्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय बीमा निगम को संबत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध समय बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ हाती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधि वारिस/नाम निर्वैशितों का प्रतिकार के रूप में वार्ता राशियों के बदल राशि का संबंध छोड़ेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन अंतर्गत क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के जिता

भव्यति किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां सुनिश्च भविष्यद् निधि आपका अपना अनुभूति बन देने के पूर्व कर्मचारियों का अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यक्षितयक्ष अवसर देगा।

९. ग.दे किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के विसं स्थापना पहले लेपन चुकी है अधीन नहीं रख जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो यह रखव की जा सकती है ।

10. एवं किसी कारणतया उस नियत तारीख के भीतर जीवन वीआ निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यगत हो जाने विधा जाता है तो छट रद्द की जा सकी है।

11. नियोजक संवारा प्रीमियम के संबंध में किये गये किसी व्यक्तिकर्म की दशा में उन भूत् सदस्यों के नाम निर्बोधितों या विधिक वितरणों को पर्याप्त यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, वीमा लाभों के संबंध का उत्तरदायियत्व नियोजक पर होता ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी भद्रस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवैशिलों/विधिक धारिमों को बीमाकृत राशि को संदाय-सत्प्रस्ता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमा-कृत राशि प्राप्त होने के पाएँ भाष्ट के भातर सप्तिनिवैशिल करेगा।

झी. के. मरवाह

अन्तस्थी-I

क्र०	स्थापना का नाम	कोड संख्या	सरकारी अधिसूचना की दिनांक व संख्या जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	समाप्ति की तिथि	छूट की अवधि	के ० भ० नि० संख्या
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० पिलाकिनी बीवरेजस प्रा० लि० गुडीपलीपांडे-524 314 नैल्लौर डिस्ट्रिक्ट ए० पी०	एपी/16946	2/1959/शीएलआई/एकजम/ 89 / पाई 1 दिनांक	31-7-91 19-12-89	1-8-91 से 31-7-94 1-8-94 से 31-7-97	2/2145/90/ शी एल आई
2.	मै० बेन्वा लोकोमोटिव्स लिमिटेड, एपी/5642 फ्लाट नं० 23-बी, माईडीए पाटिनचेरू-502 319 मेडाक डिस्ट्रिक्ट (ग्राम्य प्रदेश)		—वही—	29-1-92 31-8-93	1-9-93 से 31-8-96	2/3776/91/ शी.एल.प्राई
3.	मै० मैसूर स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड चिकोटी गाईनस मकान नं० 1-10-44/20/2-डी बेगभेट हैदराबाद-500016.	एपी/5928	—वही—	22-12-92 31-1-92	1-2-92 से 31-1-95 1-2-95 से 31-1-98	2/4281/92/ शी.एल.प्राई.

1	2	3	4	5	6	7
4.	मै० आनंद प्रदेश स्टेट पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन लिमिटेड सैफाबाद हैदराबाद-500 004.	एपी/6149	2/1959/ डी एल.आई./एकजम। 89 पार्ट 1, दिनांक	7-3-94 29-2-96	1-3-96 से 28-2-99	2/2910/93/ डी.एन.आई.
5.	मै० कल्पना कैमिकल्स लिमिटेड रोड नं० 5, नवाराम हैदराबाद-501 507.	एपी/6244	--वही-- 23-12-92 31-10-95	1-11-95 से 31-10-98	2/3714/91/ डी.एल.बाई.	
6.	मै० डेयरी आइसक्रीम एवं फ्रेजन फूड्स प्र० लि० 5-9-38/1, न्यू एम० एल० ए० क्वाटर्स, बशीरबाग, हैदराबाद-500029.	एपी/6319	--वही-- 19-4-94 31-3-93	1-4-93 से 31-3-96	2/1221/85/ डी.एस.आई.	
7.	मै० बसुन्धरा पब्लिकैशन्स एन्नाडू काम्प्लेक्स, सोमाजागुडा हैदराबाद-500482.	ए.पी./6704	--वही-- 24-3-93 29-2-96	1-3-96 से 28-2-99	2/3828/91/ डी.एन.आई.	
8.	मै० नेशनल इंस्टीट्यूट आफ स्माल इंडस्ट्री प्रॅस्टेशन ट्रेनिंग येस्कुला, हैदराबाद-500 045.	ए.पी./11422	--वही-- 2-5-93 29-2-96	1-3-96 से 28-2-99	2/3930/91/ डी.एस.आई.	
9.	मै० श्रीश्रीनंदा श्रामीण बैंक टेलिकॉ फ़ोर्ड रोड, पौ० बा० नं० 8 ग्रनंदापुर-515 001.	ए.पी./11658	--वही-- 2-5-93 28-2-94	1-3-94. से 28-2-97	2/1135/84/ डी.एल.आई.	
10.	मै० दि नन्दयाल को-आप शुगर्स लि०, पोमापुरम, नन्दयाल-518 503, कुरुक्षेत्र डिस्ट्रिक्ट, आ० प्र०.	ए.पी./13339	--वही-- 23-9-87 22-9-90	23-9-90 से 22-9-93 23-9-93 से 22-9-96	2/1559/86/ डी.एस.आई.	
11.	मै० गैण्ड कार्मा लिमिटेड, ए.पी./13371	--वही-- 11-11-92 29-2-96	1-3-96 से 28-2-99	2/3027/90/ डी.एल.आई.		
12.	मै० पिनाकिनी श्रामीण बैंक पौ० बा० नं० 1 ए० क० नगर नेल्लौर ए० पी०-524004.	ए.पी./14126	--वही-- 7-4-93 20-7-95	21-7-95 से 20-7-98	2/1466/86/ डी.एन.आई.	
13.	मै० जगा० डी० एन्टरप्राइजेज 4/26, श्री बैंकटेशवरा राहस मिल कम्पाउण्ड जी० एन० टी० रोड सुलुखेंट नेल्लौर डिस्ट्रिक्ट आनंद प्रदेश-524121.	ए.पी./14213	--वही-- 24-3-93 28-2-94	1-3-94 से 28-2-97	2/3867/91/ डी.एन.आई.	
14.	मै० सुराना स्टोल्स लिमिटेड, एपी/एचवाई/18648 7वा० तल, सुर्या टावर्स, ए०प०प० रोड, तिकन्द्राबाद 500 003 (ए०प०)	-वही-	11-6-93 30-11-95	1-12-95 से 30-11-98	2/3438/91/ डी.एल.आई.	

1	2	3	4	5	6	7
15.	मै० मार्गदर्शी कम्प्यूटर्स, 6-3-570 एम्बॉक कम्पाइण्ड, सोगांजीगुड़ा, हैदराबाद-500 082.	एच वाई/16322	2/1959/झीएलआई/ एकजम/८७/पार्ट १. दिनांक 11-6-93	२९-२-९६	१-३-९६ मे	2/4156/९२/ झीएलआई
16.	मै० एम० सी० एल० इण्डस्ट्रीज लि०, ७वां तल, राधवरतना टावर्स, चिरग-अली लेन, हैदराबाद-500001.	एच वाई/17031	11-६-९३	३१-३-९६	१-४-९६ से	2/2136/८९/ झीएलआई
17.	मै० एल० वी० प्रसाद आई० इंस्टीट्यूट, बंजारे हिल्स. रोड नं० २; हैदराबाद-500 034.	ए पी/एच वाई/ 18482	3-४-९३	३१-७-९३	१-८-९३ से	2/4470/९२/ झीएलआई
18.	मै० वासवी को-आप अबनं बैंक लि०, ए पी/एच वाई०/ १६.२.७०५/९/११, मालकपेट, हैदराबाद-500 036.	१९८७१	२४-२-९२	३०-१०-९५	३१-१०-९५ से	2/3986/९२/ झीएलआई
19.	मै० इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड, ए पी/20079 कुडप्पा डिस्ट्रिक्ट (ए० पी०)/ चिलमाकुर (पो० आ०) ५१८३१०.		२३-१२-९२	३१-१२-९४	१-१-९५ से	2/4401/९२/ झीएलआई
20.	मै० सिफको, सनथ नगर, हैदराबाद-500018.	ए पी/३०५२	५-४-९३	२८-२-९४	१-३-९४ से	2/3982/९२/ झीएलआई
					२८-२-९७	

अनुसूची-२

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके प्रबंधन नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य नियिक अधिकार को एसी विवरणियाँ भेजेगा और एसा लेखा जोखा रखेगा। साथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य नियिक आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का अस्त्येक मास की सुमाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भाग 17 की उपधारा (2-क) के उच्च के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी हैं हानि वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक व्याधा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की व्याधास्थ्य की भाषा में उसकी मुख्य वार्ता का अनुचाय स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्धित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य नियिक या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य नियिक का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त बर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भार-तीय जीवन बीमा नियम को गंश्ल करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध सामूहिक जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध साधारण से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशाय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है और कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में वानों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन व्याधिक भविष्य नियिक जाकूप्त के पूर्ण अनुमोदित के बिना

नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की समावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना ईंटकाण स्पष्ट करने का यूक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भौतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रक्त की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियन्त्रित तारीख के भीतर जीवन बीमा नियम नियन्त्रित करे, प्रीमियम का संदाय करते हैं असफल रहता है और पालिसी नहीं व्यवस्थित होने दिया जाता है तो छूट रक्त की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतीकरण की दृष्टि में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वैशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आगे याने किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हृतदार नाम/निवैशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय स्तररक्त से और प्रत्येक दृष्टि में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक गाह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

डॉ. के. मरवाह
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (म.)

सं 2/1959/झी. एल. गाई. /भाग-1/1365—
जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारीण उपचंद अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

धूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंदाज या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम का सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी नियंत्रित सहबाहुदूध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवर्त्त शक्तियों का प्रयोग करके हृए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्विली ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत छूट प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम की संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	क्र० भ० नि० आ० फाईल नं०
1	2	3	4	5
1.	मै० गोमांटक (प्रा० लि० सट० इनज० पो० बा० न० 41, पणजी गोवा-403001	गोआ 9758	1-7-92 से 30-6-95	2/72/95/गोआ डी० एल० आई०
2.	मै० काशीन थ दामोदर नायक लभ्मी बिल्डिंग विलो साहन लैता भ.र्गे गोवा-403601 शाब्दाए पणजी, वासको, पोडा	गोआ 9810	1-7-93 से 30-6-96	2/73/95/गोआ डी० एल० आई०
3.	मै० मेरिट फार्मासिटिकल (प्रा०) लि० 250-क, श्रलटो, पोर्वोरिम, गोवा-403521	गोआ 10091	1-10-93 से 30-9-96	2/74/96/गोआ डी० एल० आई०
4.	मै० हो०ल राजवानी डा० आत्माराम बारेकर रोड, गोवा-403001	गोआ 10305	1-10-93 से 30-9-96	2/75/95/गोआ डी० एल० आई०

1	2	3	4	5
5.	मै० योफलग्रामनज, होटल्स कं० लि०, गलगडेला विनिंग टॉसरी मंजिल, समन्न० २, सामने प्राजाद मैदान, पणजी, गोवा- ४०३००१	गोवा 10316	१-१२-९३ से ३०-११-९६	२/७६/९५/गोवा डी० ए८० आई०
6.	मै० नियोलिम प्रबन्धन को०-आ००४० बैंक लि०, नन्दाधन सेन्ट्रल प्राफिस, नजदीक टाऊन सेन्ट्रल, वियोलिम गोवा- ४०३५०४	गोवा 10323	१-३-९२ २९-२-९५	२/७७/९५/गोवा डी० ए८० आई०
7.	मै० रिसोरसिज इंटरनेशनल दोमोदर चेम्बर्स, तिसरी मंजिल, चृत्त्वाडे रिहाय रोड, पो० बा० नं० १५ पणजी गोवा- ४०३००१	गोवा 10341	१-३-९२ २८-२-९५	२/७८/९५/गोवा डी० ए८० आई०
8.	मै० नेशनल कन्ट्रोल्ज (आई०) डी० ३/१०, कोरलोम-इण्ट्रीयल इस्टेट, कोरलोम-इहास पणजी गोवा	गोवा 10367	१-९-९३ ३१-८-९६	२/७९/९५/गोवा डी० ए८० आई०
9.	मै० यूनिवर्सल श्रीवर्षि लि०, डी० हुअ्स, केमपाल, पणजी ४०३००१	गोवा 10424	१-११-९४ ३१-१०-९७	२/८०/९५/गोवा डी० ए८० आई०
10.	मै० हाईटच लेन्सिस लि०, ५०, तिविम इड० इस्टेट, मापुसा, गोवा- ४०३५२६	गोवा 10429	१-१२-९४ ३०-११-९७	२/२३/९५/गोवा डी० ए८० आई०
11.	मै० जयवन्त टायर्स प्लाट नं० ४, जिंगंठीमल, कुरती, पोण्डा, गोवा- ४०३४०१	गोवा 10435	१-३-९४ २८-२-९७	२/८२/९५/गोवा डी० ए८० आई०
12.	मै० डी-लिक (इं०) प्रा० लि० एस-५, वेरना डलैक्ट्रानिक्स, सिटी वेरना प्लाइय, गोवा- ४०३७२२	गोवा 10473	१-८-९५ ३१-७-९८	२/९५/गोवा डी० ए८० आई०
13.	मै० मार्यहास कंस्ट्रक्शन प्रा० लि० मार्यहास प्लाजा, १८ जून मार्ग पणजीम, गोवा- ४०३००२	गोवा 10404	१-१२-९४ ३०-११-९७	९/१८/डी० ए८० आई० ९६
14.	मै० डी० प्र० ब्रिल्डर्स कारपोरेशन मार्यहास प्लाजा, १८ थी० जूनमार्ग, पणजीम, गोवा ४०३००२	गोवा 10405	१-१२-९४ ३०-११-९७	९/१९/डी० ए८० आई० ९६

लम्बुची-२

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संविधित अधीनीय नियंत्रण आयुक्त को एसी विवरणियाँ भेजेगा और एसोसिएशन लेखा-जोशा रखेगा साथा नियोजक के लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केवल व्यापक नियंत्रण वायुक्त, समय-समय पर नियंत्रित करें।

2. नियोजक एसे नियोजक प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के १५ दिन के भीतर संशय करेगा जो केवल व्यापक सरकार,

उक्त अधिनियम की धारा १७ की उपधारा (२-क) के संष्ठ के अधीन समय-समय पर नियंत्रण करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं वा रखा जाना, विवरणियाँ का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संकाश, लेखाओं का अन्तरण, नियोजक प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यापों का अहन नियोजक व्यापार किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि एसा काइ कर्मचारी जा भावध्य नाम का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त नियोजक स्थापना की भविष्यत नियिका पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरंत बर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्श करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध सामग्री जारी है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन सामग्री उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों औ उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञांग है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवैशितों को ग्रातिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक दोनों स्कीम के उपर्यांत में कोई भी संशोधन संवर्धन केन्द्रीय भविष्यत नियिका आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभवता हो, वहाँ केन्द्रीय भविष्यत नियिका आयुक्त अपना अनुमोदन दोनों के पूर्व कर्मचारियों को अपना दीप्तिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना छूकी है, अपनी नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो वह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, श्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पारिसी को व्यपरात होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में फिरे गये किसी अतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवैशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते हीते, बीमा लाभों के संदाय का उसरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम/निवैशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्वरता से और प्रत्येक बद्दा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक भाष्ट के भीतर सुनिश्चित करेगा।

डॉ. के. मरवाह
केन्द्रीय भविष्यत नियिका आयुक्त (म.)

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1997

सं. 2/1959/डॉ. एल. आइ./भाग-1/1383—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्यत नियिका और प्रकार्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है। जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्यत नियिका आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अंशादान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का साम उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निवैशित सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्थीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिस इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त स्वीकृति का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्यत नियिका आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना का प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभागी जिस तिथि से उक्त स्थापना को केन्द्रीय भविष्यत नियिका आयुक्त उड़ीसा ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत छील प्रदान की है, 3 धर्ष की दावधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० मि० आ० फाइल सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० उड़ीसा स्टेट कैश्यू डेवलपमेंट कारपोरेशन लि०, प्लाट नं० 697, साहिब नगर, भुवनेश्वर-751007	ओ/आर 2533	1-12-88 से 30-11-91 1-12-91 से 30-11-94 1-12-94 से 30-11-97	2/4127/92/ डी० एल० आई०
2.	मै० सुश्री प्लास्टिक हॉल्डर्स प्रा० लि० 177, सेक्टर, ए, जोन बी, मतचेश्वर हॉल्डस्ट्रीयल एस्टैट, भुवनेश्वर-751001	ओ/आर 4175	1-9-94 से 31-8-97	11/12/96/ डी० एल० आई०
3.	मै० उड़ीसा स्टेट को० ओप० लैण्ड डेवलपमेंट बैंक लि०, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, पो० बा० नं० 56 भुवनेश्वर-751001 (3 भांच)	ओ/आर 847	1-2-88 से 31-1-91 1-2-91 से 31-1-94 1-2-94 से 31-1-97	11/11/96/ डी० एल० आई०
4.	मै० ग्राम विकास, ए० टी०/पी० ओ० मुख्ता वाया ब्रह्मपुर, जिला गंजम उड़ीसा-760002	ओ/आर 4506	1-10-93 से 30-9-96	11, डी० एल० आई०
5.	मै० ब्रह्मपुर क्षेत्रीय मार्किटिंग को०-भापरेटिव सोसाइटी लि०, खाजूरिया रोड, ब्रह्मपुर-760008 (गंजम)	ओ/आर 1005	1-3-89 से 28-2-91 1-3-91 से 28-2-94 1-3-94 से 28-2-97	11/9/96/ डी० एल० आई०
6.	मै० हम्मा एण्ड विन्चानफली साल्ट प्रोडक्शन एण्ड सेल को० ओप० सोसाइटी लि०, एटी०/पी० ओ० जिला गंजम, उड़ीसा	ओ/आर 515	1-2-89 से 31-1-91 1-2-91 से 31-1-94 1-2-94 से 31-1-97	11/10/96 डी० एल० आई०

अनुसूची II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणों भेजेगा और एसा लेख जोका रहेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त; समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभावी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बाण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणों का प्रस्तुत किया जाता,

बीमा प्रीमियम का संदाय, लखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आधी भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या को भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवात स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि कोई पुंसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भावध्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की सबत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ नहाय जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा; जिसमें किंवद्दन कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशंश्य हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के आधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिसों/नाम निवैशितों को प्रतिकार की रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्ध में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के लिए पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो अस्ति क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना हैट्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर प्रदेश।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल

रहता है और पालिसी को व्यपर्ग होने दिया जाता है तो छूट रद्द का जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकर्म को व्याप्ति में उन मृत सदस्यों के नाम निवैशितों या विविध वारिसों की यदि यह छूट न बीं गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सबध में अन्यायक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उस के हकदार नाम/निवैशितों/विविध वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय रुक्तरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

डी. के. मरवाह
निधि आयुक्त (म.)

स. 2/1959/डो एल आइ/भाग-1/1393—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजित लखाओं ने जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा को उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है। जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केंद्रीय भावध्य निधि आयुक्त इस बात से सतुष्ट है एक उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशावान या प्रीमियम की अदायगी किए जिन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का ताता रहे हैं जांकि ऐसे कर्मचारी के सिए कर्मचारी निषेप संबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। जिरो इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है।

अस: उक्त अधिनियम की धारा 1, ना ७१-पारा ८(प) अपार प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, हैबराबाद ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत छूट प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के में सालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

क्र० स०	स्थापना का नाम और पता	कोड न०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० न०
1	2	3	4	5
1.	मै० आई० टी० सी० मद्रा आलान, पेपर ब्रीडिंग लि०, 106, एस० पी० रोड, सिक्किम राजवाद-500003, 4क्रांच, दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता, मंत्रालय	ए० पी० 11631-ए	1-5-93 से 30-4-96	1/87/97/ डी० एल० आई०
2.	मै० मीनार इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, लि०, 32 आई० डी० ए० बाला नगर, हैदराबाद-500037	ए० पी० 17107	1-4-96 से 31-3-99	1/90/97/ डी० एल० आई०
3.	५० यन्नीकार्ड एंब्रोटेक० लि०, 1-7-139/3, सरोजनी देवी, रोड, हैदराबाद-500003	ए० पी० 24016	1-9-92 से } 31-8-95 31-9-95 से } 31-8-98	1/89/97/ डी० एल० आई०
4.	मै० राम इंफोरमेटिक्स लि०, एस० बी० आर० टावर्स 8-2-1/बी०/1 श्रीनगर कालोनी रोड, पुंजागढ़ा, हैदराबाद-500082	ए० पी० 28999	1-1-96 से 31-12-98	1/88/97/ डी० एल० आई०
5.	मै० सेंट पीटर्स हाई स्कूल हॉमिलियम हनाम कुड़ा वारंगल-506010	ए० पी० 19637	1-3-94 से 28-2-97	2/82/97/ डी० एल० आई०
6.	मै० नागार्जुना कंस्ट्रक्शन कं० लि० 41 नागार्जुना हिल्स पञ्चागढ़ा हैदराबाद-ग्रांच० सहित-500482	ए० पी० 13681	1-4-96 से 31-3-99	1/84/97/ डी० एल० आई०
7.	मै० श्री सत्यासाई इंस्टीच्यूट आफ हायर मेडिकल साइंस प्रन्थांतो माम- 515134 अनन्दापुर जिला (ए० पी०)	ए० पी० 25594	1-11-94 से 31-10-97	1/64/97/ डी० एव० आई०

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐरो विवरणियाँ भेजेगा और एसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए सविधाएँ प्रश्न करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एंसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की सभापति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खंड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा रकोम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियाँ को प्रस्तुत किया जाता, दीगा दीगीयम का संदाय, लेखाओं का बंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी घटाऊं का बहर नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रोत्ता तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की शक्ति में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. योंद कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजित सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वाक्ता आवश्यक प्रीमियम भार-तीय जीवन बीमा निगम को संबंध करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बताये जाने हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें किं कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशासन हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी यात्रा के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उत्तर राशि¹ में छाप है जो कर्मचारी की उत्तर राशि में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता ही नियोजित कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार ये रूप से दोनों राशियों के बराबर राशि का स्थाय धरता ।

8. मामूलिक बीमा स्कीम के उपकरणों में कोई भी भौतिक संबंधित अन्यथा भवित्व नियंत्रण के गर्भ अनमोदन के लिया नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संघोतन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव पालने की संभावना हो तब वे अधीय भविष्य नियंत्रण अन्यकांत अपना अनभूत दोनों के पार्थ कर्मचारियों को शपना एप्टिक्यॉन स्पष्ट करने का संभाल्यक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणदाता स्थान के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियंत्रण की उस मामूलिक बीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले ही अपना चकी है अधीर नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने आनी राशि किसी राशि में कम हो जाती है तो छूट रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणदाता उस नियंत्रण वारिस के भीतर अंदर बीमा नियंत्रण कर्ते प्रीमियम का संदर्भ दरने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदर्भ में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विविध वारिसों की यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाध का उत्तरवादित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन अले वाले किसी सदस्य की मरण होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विविध वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय

उत्पत्ता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियंत्रण से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

चौ. वो. मरवाह
अधीय भविष्य नियंत्रण आयक्त (म.)

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जेम /89/भाग-1/
1405—जहाँ अनसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य नियंत्रण और प्रकीर्ण उपनियंत्रणीयम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उप धारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवधत किया है (जिसे इसप्री-इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य नियंत्रण इस यात्रा से संस्थाप्त है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की जदानगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियंत्रण की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं और एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियंत्रण सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्कीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके गाथ संलग्न अनसूची में उल्लिखित शर्तों के अन्सार केन्द्रीय भविष्य नियंत्रण आयक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस नियंत्रण से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य नियंत्रण आयक्त, कर्मटिक ने स्कीम को धारा 28(7) के अंतर्गत छूल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है ।

अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं.	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाईल न०
1.	मै० कोवलोंगमिच होटल (इंडिया) लि०, मजुरम होटल, ऑल्ड पोर्ट रोड, मैंगलोर-575001.	के० एन० 12360	1-12-92 से 30-11-95 1-12-से-95 से 30-11-98	6 (8) डी० एन० अ० 9०/ह० एन०/97
2.	मै० नटरावती ग्रामीण बैंक, कुडमल रंगा राय मार्ग, कर्णगलपाड़ी, मैंगलोर-575003 तथा इसकी शाखाएं	के० एन० 12162	1-7-96 से 30-6-99	6 (4) डी० एल० आई०/के० एन०/97
3.	मै० युनाइटेड रोडवेज बासमट्टा मार्ग, मैंगलोर के० नं०-575001 तथा इसकी शाखा ।	के० एन० 2047	1-1-94 मे 31-12-96	6 (45) डी० एल० आई०/वे० एन०/97

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संविधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त, को एंग्री शिवरीणियों भेंटेगा और एसा लेखा जेला रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एंग्री संविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एंग्री निरीक्षण इभारी का प्रत्येक मास की समाप्तिक के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खंड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामरिक दीमा स्कीम के प्रणालीन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाता शिवरीणियों को प्रस्तुत किया जाता, दीमा श्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण इभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी दार्थों का बहुत नियोजन द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनभौद्ध गामिन्द्रिक दीमा स्कीम के नियमों की एक इति और जब उभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुत सलाह की भाषा में उसकी मर्याद वालों का अनुदाव स्थापना के सच्चाना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छान्त प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही मदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामरिक दीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तरत्तु दर्ज करेगा और उसकी छान्त आवश्यक श्रीमियम भागीय जीवन दीमा नियम को संदर्श करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ छाना जाते हैं तो नियोजक सामरिक दीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में साझेकरण रूप से वर्तन्ध किया जाने की छान्त दर्शा करेगा जिसमें तिन कर्मचारियों के लिए सामरिक दीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हैं जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशील हैं।

7. सामरिक दीमा स्कीम में किसी छान के द्वाने द्वारा भी यदि किसी लाभार्थी की मर्ता एवं दीमा स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध रहती जब वह उक्त स्कीम के अधीन छाना तो नियोजक कर्मचारी के शिविध वारिस/नाम नियंत्रणों की प्रतिकार के रूप में वानी राशियों के बराबर राशि का गंदाय करेगा।

8. सामरिक दीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संगीत्यक श्रीमी भविष्य निधि आयक्त के पर्व अनुग्रहन के द्विना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से दर्भचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त अपना अनुग्रहन द्वाने के पर्व कर्मचारियों को अपना स्थिष्टकोण स्थाप्त करने का यक्तियकूल अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी शासीगी जीवन दीगा नियम की उम सामरिक दीमा स्कीम में जिसे स्थापना पहले अपना छूकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के

आधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियम नारीज के भीतर जीवन दीमा नियम नियत करें इंग्रीज का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपत होने विया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा श्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्याहिक की दशा में उन सूत सवस्यों के नाम निर्दीशित या विधिक वारिसों की यदि यह छान न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, दीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मर्याद होने पर उस हकदार नाम निर्दीशित वारिसों की दीमाकर राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन दीमा नियम से दीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर मुनिशित करेगा।

डी. के. मरवाह
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त (न.)

सं. 2/1959/डी. एन. आई./भाग-1/1413—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकर्णी उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छान के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त वार्षिक नियम कहा गया है)।

यहाँ के नियोजक भविष्य निधि आयक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या श्रीमियम की अदायगी किए दिना जीवन दीमा के रूप में भारतीय जीवन दीमा नियम की सामरिक दीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं योग्य प्रेसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी नियंत्रण सहबद्ध दीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित फ़िल्डली तागीम से प्रभाली जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त, हैदराबाद ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट ग्राहन कर दी है।

अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं.	छूट की प्रभावी तिथि	के॰ भ० नि० अ० फार्मल नं.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मै० भास्य लक्ष्मी पाशवाल्ड एण्ड मोर्डन राइस मिल गागर मार्ग, मिर्याल गुड़ा-५० जिला नानगुड़ा (ग० पी०)।	ऐ० पी० 14072	१-३-११ से २८-२-१५	२ (१४) डी० ए० आई०। ऐ० पी०/१५
2.	मै० रामन सोमै डब्ल्यूपर्मेंट ग्रूप, बंगलौर हाईवे, अन्नतांपुर- ५१५००१	ऐ० पी० 4776	१-८-१५ से ३१-७-१७	२/२९/डी० ए० आई०। १५/ऐ० पी०

अनुसूची-II

1. उद्वत स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात नियोजक कहा याद है) संबंधित शीर्षीय भविष्य निधि आयुक्त के एसी विवरणों द्वारा और दूसरा तोड़ा जोड़ा रखेगा तथा नियोजण के लिए एसी सूचियाएं प्रदान करेगा जो क्षेत्रीय भविष्य नियोजक आयुक्त, भवान-सम्बन्ध पर फ़िराउ देंगे।

2. नियोजक, एसी नियोजण आयुक्त का इन्वेक्ट गास की समाप्ति के १५ दिन के भीतर संदर्भ करेंगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा १७ की उआधारा (२-क) के खण्ड के अधीन रम्य-सम्बन्ध पर निर्देश करें।

3. रामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत सेखाओं का रखा जाना, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदर्भ, लेखाओं का अन्तरण नियोजण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का असू नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मानित रामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रियं और नव कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति लघु वर्तमानों की वहांगम्भा भी भाव में उसकी मूल्य बातों का अनुताव स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसी कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापना की भविष्य विविध का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक मामूहिक बीमा स्कीम के संबंध के रूप में उसका नाम उत्तर दर्ज करेगा और उसकी बाबत आदेशक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम अप्रै संक्षेप करेगा।

6. मैं उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध भाग द्वारा छाते हैं तो नियोजक रामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें किए कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के एसे होए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंधित राशि उस राशि से कम है औ कर्मचारी को उस बात में संदर्भ होती जब वह उद्वत स्कीम के अधीन होता है तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम नियोजित होते हैं कि उनके लिए दोनों राशियों के अन्तर के बाबत राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्ध में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के द्वारा नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से अर्मानियरियों के हित पर अतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों के अपना इष्टिक्षण स्पष्ट करने का युपकारिता अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय बीमा विभाग की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे एसी स्थापना पहले अपना चक्री है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली राशि उस राशि से कम हो जाए तो छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस निया तारीख के भीतर जो भारतीय बीमा निगम नियत झरे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और प्राप्तिसी को व्यपरण हो जाने विधा जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में फ़िए गए किसी व्यापारिक की दशा में उस भूत सदस्यों के नाम नियोजित होते हैं तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवाचिक नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके इक्षुदार नाम नियोजित होते हैं विविध वारिस की दीमाकत राइट का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

इसे के. मरवाह
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मृ.)

सं. 2/1959/ डी. एल. आई./भाग-1/1420— जहाँ आम दी-1 में उल्लिखित नियोजकांगों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जा है।

कानूनीक रूपीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या श्रीमियम की अवायवी किए गिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम का सामूहिक बीमा स्कीम का जाभ उठा रहे हैं, जो कि

ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी नियोजित सहवाद्ध धीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्वीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस विधि से उक्त स्थापना के कानूनी भविष्य निधि आयुक्त, य. पी. ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत छोल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची I

क्रम सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड नं.	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० यूनाइटेड पब्लिक स्कूल, 13/393 सिविल लाइंस, कानपुर-208001.	यू० पी०/14210	1-8-89 से 31-7-92	15 (16) डी० एल० आई०/ यू०पी०/96
2.	मै० कुमाऊँ मण्डल विकास नियम लि�०, सचिवालय भवन, नैदीताल, य० पी०	यू०पी०/4414	1-3-90 से 28-2-93 व 1-3-93 से 29-2-96	2 (5) डी० एल० आई०/ यू० पी०/96
3.	मै० स्कूटर इंडिया लि०, प० आ०, सरोजनी नगर, लखनऊ-226008 (यू०पी०)	यू० पी०/5655	1-8-76 से 31-7-88 व 1-8-88 से 31-7-91 व 1-8-91 से 31-7-914	15 (15) डी० एल० आई०/ यू० पी०/96

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संवैधित कानूनी भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसा लेजा जोका रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसो नियोजित प्रभावी का प्रत्येक भास की समर्पित के 15 दिन के भीतर संक्षेप करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के उपर के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेजाओं का रक्षा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना,

बीमा श्रीमियम का संदाय, लेजाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रक्रिया का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यर्थों का यहाँ नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमानित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति आरंजब कर्मी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्त्तव्यांशों की बहुसंख्या को भासा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी रापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के

संवाद के रूप में उक्त का नाम त्रुत्त दर्ज करेगा और उसकी वायत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्थापना के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ दियाये जाते हैं तो नियोजक समूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध सामर्थ्य में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेंगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हए भी यदि किसी कर्मचारी को भूत्या पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ रायिश उस रायिश से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबोध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों की प्रतिकार के रूप में दोनों रायिशों के बराबर रायिश का संदाय उत्पन्न होता।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निर्धारण आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर ग्राहकों प्रभाव उड़ने की संभवता हो, तब उसी विशेष भविष्य निर्धारण आयुक्त उपनां अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अवना दृष्टिकोण स्थल करने का योग्यतयुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अर्थात् नहीं रह जाता है तो इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी रायिश से कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियन्त्रण सारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियन्त्रण करते, प्रीमियम का संदाय करते में असफल रहता है और पालिगी को व्यपत्रता होने दिया जाता है तो छूट रख्व की जा सकती है।

11. नियोजक व्यापार श्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यापारिकम की दंशा में उन मृत सदस्यों के दाम निर्देशितों वा

विधिक वारिसों के जो वृद्धि यह छूट न दी गई होती हो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभी के संदाय का उत्तराधिकार नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी संवाद की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रायिश संवाद संतुष्ट रायिश प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

डॉ. के. मरवाह
झेत्रीय भविष्य निर्धारण (म.)

सं. 2/1959/डॉ. एल. आई./भाग-1/1428—
जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निर्धारण और प्रकार्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 वा 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

छूट के क्षेत्रीय भविष्य निर्धारण आयुक्त इस बात से सन्तुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग वैश्वान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निष्क्रिय सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 को उप धारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार लेन्ड्रिय भविष्य निर्धारण आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिर्थ से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निर्धारण आयुक्त, गोवा ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढोल प्रधान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं.	छूट की प्रभावी तिर्थि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मै० विस्ट्रोफ इंडिया लि०, रुआ-डी ओरम, पणजी गोवा-403001 तथा इसकी शाखाएं	गोवा 9879	1-9-89 से 31-8-92 और 1-9-92 से 31-8-95 और 1-9-95 से 31-8-98	9/20/डॉ० एल० आई०/ 96

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संविधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विधीयां भेजेगा जीर ऐसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी रानिकाम प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन तक भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खंड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणीयों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारीयों की बहु-संसद्य की भाव से उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. योद्दोइ ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि का पा उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का एक ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा जीर उसकी बावत वालपदक प्रीमियम भारतीय बीमा निगम को संदर्श करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारीयों को उपलब्ध लोभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारीयों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था दर्जेंगा, जिसमें कि कर्मचारीयों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अमूक्त हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वश में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिवाली वार्ता/नाम निर्देशितों की प्रणिकार के रूप में वोने राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारीयों के हीत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ते वाली संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आदूक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारीयों की अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का योग्यान्वयन अवसर दर्जा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उम सामूहिक बीमा स्कीम के, जिस स्थापना पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इन स्कीम के अधीन कर्मचारीयों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाते तो वह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियन्त्रणारी के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम विशेष करें प्रीमियम का संबाद करने में असफल रहता है और पारिवर्ती को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम विशेष के संबाद में किये गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि वह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संबाद का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उस हक्कार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय उत्पन्ना से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर समिश्रित करेगा।

डॉ. के. मरणह
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मृ.)

RESERVE BANK OF INDIA
DEPARTMENT OF FINANCIAL COMPANIES
CENTRAL OFFICE
Calcutta-700001
CORRIGENDA

SL No.	Page No. of the Gazette/Notification No./second schedule	Particulars as appearing in the copy of our Notification/second schedule	Particulars as published in the Gazette	Nature of correction necessary
1	2	3	4	5
1.	No. 2113/No. 99ED(JRP)/97 dated 6-3-97. Item No. 2	..(2 of 1934) shall not apply to any non-banking financial company.	..(2 of 1934) shall apply to any non-banking financial co.	..(2 of 1934) shall not apply to any non-banking financial company.
2.	No. 214/No. 101ED (JRP)/97 (5th line)	..It is necessary to amend the Miscellaneous Non-banking Companies (Reserve Bank) Directions.	..it is necessary to amend the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions.	..it is necessary to amend the Miscellaneous Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions.
3.	No. 214/No. 101ED(JRP)/97 (TOP of second schedule)	(Please see Paragraph 12 of the Directions)	(Please see Paragraph 15 of the Directions)	(Please see Paragraph 12 of the Directions)
4.	No. 215/No. 101ED (JRP)/97 Item 8 of second schedule	Guwahati Regional Office Station Road, Pan Bazar, Post Box No. 120, Guwahati-781001	Guwahati Regional Office Station Road Pan Bazar, Guwahati-781001	Guwahati Regional Office Station Road Pan Bazar, Post Box No. 120, Guwahati-781001.
5.	No. 215/No. 101ED(JRP)/97 Item 16 of second schedule	Thiruvananthapuram Regional Office, Bakery Junction Thiruvananthapuram.	Thiruvananthapuram Bakery Junction	Thiruvananthapuram Regional Office, Bakery Junction, Thiruvananthapuram.
6.	No. 215/No. 102ED(JRP)/97 (5th line)	..It is necessary to amend the Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions. 1987.	..it is necessary to amend the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1977.	..it is necessary to amend the Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1987.

CENTRAL BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
Mumbai, Dated the 19th March 1997
CORRIGENDUM

No. CO : PRS : IRP : 95-97/2388—A Notification of the Regulations with Name and Style “Central Bank of India (Officers) Service (Amendment) Regulations, 1996” has been published in this section and this part of the Gazette of India for Saturday, the 26th October, 1996 edition. In view of certain omissions and commissions in the said Notification at the time of publication, a corrigendum to the above referred Notification is furnished herebelow :—

Page No.	Line No.	Existing	To be read as
1	2	3	4
5494	L 17	tions,.....	tions,.....
5495	L 6	—Scale III Rs. 6050-230-9200-250-9700	—Scale III Rs. 8050-230-9200-250-9700
5495	*R 11	Those who have passed both parts of CANNB :	Those who have passed both parts of CAIB :
5495	R 16	On and from 1-11-1994,	(b) On and from 1-11-1994,....
5495	R 54	1993, will draw a	1993, will draw a
5496	L 32	4. In principal Regulation.....	4. In principal Regulations.....

1	2	3	4
5496	R 10	(i) Pay for the	(i) Pay for the
5496	R 23	1/11/992 for House Rent	1/11/1992 for House Rent
5497	L 35	a	Table (—)
5497	L 55	Note : —	Provided that a further sum equal to 1% of a Basic Pay in
5497	R 55	Provided that a further sum equal to 1% of a Basic Pay in
5498	L 11	1 2 3 4	1 2
5498	L 50	actual expenses incurred, than he shall.....	actual expenses incurred, than he shall
5498	L 59	the case of air travel and the scheduled time of parture	the case of air travel and the scheduled time of departure
5498	R 22	Scheme, Contribution to the	Scheme, Contribution to the
5498	R 35	provident fund contributions	provident fund contributions
5498	R 49	and who has elected to forego his right to.....	and who has elected to forego his right to pension in terms of the.....
5499	L 3	Vice a certificate by	Vice as certified by
5499	L 23	Foot Note :	Note :

The word "Foot Note" should be inserted in the left hand side after the signature and designation of the signatory.

*L stands for left side column.

*R stands for right side column.

(J.J. BHATTACHARJEE)
General Manager (PRG.)

SYNDICATE BANK
HEAD OFFICE
Manipal, the 21st August 1997

No. 2077/S/0089/PD:IRD(O).—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Under-takings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of Syndicate Bank after consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following Regulations, namely :—

1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENT :

(1) These Regulations may be called Syndicate Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) (Amendment) Regulations, 1997.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Syndicate Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) (Regulations, 1976, for the Schedule, the following shall be substituted, namely :—

SCHEDULE TO THE "DISCIPLINE AND APPEAL REGULATIONS"

Sl. No.	Name/Category of the post	Disciplinary Authority	Appellate Authority	Reviewing Authority
1	2	3	4	5
1	Junior Management Grade Scale-I and Middle Management Grade Scale-II	i) Assistant General Manager / Deputy General Manager of the Zone in case of Officers working in the Zones. ii) Assistant General Manager / Deputy General Manager at Head Office in respect of all Officers working anywhere in India.	General Manager at Head Office	Executive Director

1	2	3	4	5
2.	Middle Management Grade Scale-III	Assistant General Manager / Deputy General Manager at Head Office	General Manager at Head Office	Executive Director
3.	Senior Management Grade Scale-IV & V	General Manager at Head Office	Executive Director	Chairman / Managing Director
4.	Top Executive Grade Scale-VI / VII	Executive Director	Chairman / Managing Director	Managing Committee of the Board

FOOT NOTE: The original Regulations were published vide Notification No. —dated—and last amended vide Notification No. 2 dated 11-01-1997.

Y. M. SHETTY
General Manager (P)

BANK OF MAHARASHTRA
CENTRAL OFFICE
LOKMANGAL
PUNE-411 005

No. AX-1/ST/OSR/1996.—In exercise of the powers conferred by Section 19 read with Sub-Section (2) of Section 12 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) the Board of Directors of Bank of Maharashtra in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following Regulations, namely :—

01. SHORT TITLE & COMMENCEMENT :

01. These Regulations may be called "Bank of Maharashtra (Officers') Service (Amendment) Regulations, 1996.

02. They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

02. In the Bank of Maharashtra (Officers') Service Regulations, 1979 for first proviso to Sub-Regulation (1) of Regulation 19, the following shall be substituted, namely :—

'Provided' that the Bank may, at its discretion, on review by the Special Committee/Special Committees as provided hereinafter in Sub-Regulation (2) retire, if it is of the opinion that it is in the public interest, an officer employee on or at any time after the completion of 55 years of age or on or at any time after the completion of 30 years of total service as an officer employee or otherwise whichever is earlier.

M. S. JOSHI
Dy. General Manager
(Personnel)

MINISTRY OF LABOUR
EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION,
(CENTRAL OFFICE)

New Delhi-110 066, the 13th August 1997

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/1334.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto. The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Andhra Pradesh from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective date of C.P.F.C. File No.
1.	M/s. G. Pulla Reddy Engineering College Kurnool 518002, A.P.	AP/16295	1-10-92 to 30-9-95 2/31/96/AP/DLI
2.	M/s. Manjira Gramenea Bank Sanga Reddy Medak, Distt Andhra Pradesh 502001	AP/14111	1-3-94 to 28-2-97 2/32/96/AP/DLI
3.	M/s. The Hyderabad Public School, Ramnathapur Hyderabad-500013 A.P	AP/10745	1-3-83 to 28-2-86 1-3-86 to 28-2-89 1-3-89 to 29-2-92 1-3-92 to 28-2-95 2/28/96/AP/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Regional Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Schemes.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where an amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment of the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme, but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

D. K. MARWAH
Regional Provident Fund Commissioner

The 13th August, 1997

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1341.—Whereas the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefit's admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto. The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification Vide which Exemption was Granted/Extended	Date of Expiry	Period of Exemption	CPFC's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Dixitini Beverages Pvt. Ltd., Gillimallinadu-524314, Nellore Dist. Andhra Pradesh	AP/16946	2/1959/DLI/Exem/89/Pt I dated 19-12-91	31-7-91 to 31-7-94 & 1-8-94 to 31-7-97	1-8-91 to 31-7-94 & 1-8-94 to 31-7-97	2/2145/90/DLI
2.	M/s. Venita Locomotives Ltd., Plot No. 23-B, IDA Patancheru-502319, Medak Distt. (A.P.)	AH 347	Do dated 29-1-93	31-8-93 to 31-8-96	1-9-93 to 31-8-96	2/3776/91/DLI

1	2	3		5	6	7
3.	M/s. Mysore Structural Ltd., Chicoti Gardens, H. No. 1-10-44/20/2D Begumpet, Hyderabad-500016.	AP/5928	2/1959/DLI/Exem/89/Pt.-I dated 22-12-92	31-1-92 to 31-1-95 1-2-95 to 31-1-98		2/4281/92/DLI
4.	M/s. Andhra Pradesh State Police Housing Corporation Ltd., Saifabai, Hyderabad-500004.	AP/6149	Do. dated 7-3-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/2910/93/DLI
5.	M/s. Kalpana Chemicals Ltd., Road No. 5, Nacharam, Hyderabad-501507.	AP/6244	Do. dated 23-12-92	31-10-95	1-11-95 to 31-10-98	2/3714/91/DLI
6.	M/s. Dairy Ice Cream & Frozen Foods Pvt. Ltd., 5-9-38/1 New MLA Qrs. Basheer Bagh, Hyderabad-500029.	AP/6319	Do. dated 19-4-94	31-3-93	1-4-93 to 31-3-96	2/1221/85/DLI
7.	M/s. Vasundhara Publications, Denadu Complex, Somajiguda Hyderabad-500482.	AP/6704	Do. dated 24-3-93	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/3828/91/DLI
8.	M/s. National Institute of Small Industry Extension Training, Yousufguda Hyderabad-500045.	AP/11422	Do. dated 2-5-90	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/3930/91/DLI
9.	M/s. Sree Anantha Gramona Bank, Railway Feeder Road, P. B. No. 8 Ananthapur-515001.	AP/11658	Do. dated 2-5-93	28-2-94	1-3-94 to 28-2-97	2/1135/84/DLI
10.	M/s. The Nandyal Co-op. Sugars Ltd., Ponnapuram, Nandalay-518503 Kurnool Distt., A.P.	AP/13339	Do. dated 23-9-87	22-9-90	23-9-90 to 22-9-93 & 23-9-93 to 22-9-96	2/1559 /86/DL
11.	M/s. Glau Pharma Limited, 6-3-852, Ameerpet, Hyderabad-500016.	AP/13371	Do. dated 11-11-92	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/3027/90/DLI
12.	M/s. Pinakin Gramin Bank, P. B. No. 1, A. K. Nagar Nellore, A.P.-524004.	AP/14126	Do. dated 7-4-93	20-7-95	21-7-95 to 20-7-98	2/1466/86/DLI
13.	M/s. Jaya Dee Enterprises, 4/26, Sri Venkateshwari Rice Mill Compound, GNT Road, Sullur Pet, Nellore Distt., Andhra Pradesh-524121.	AP/14213	Do. dated 24-3-1993	28-2-94	1-3-94 to 28-2-97	2/3869/91/DLI
14.	M/s. Sirsat Steels Limited, 7th Floor, Surya Towers, S. P. Road, Secunderabad-500003.	AP/HY/18648	Do. 11-6-93	30-11-95	1-12-95 to 30-11-98	2/1466/86/DLI
15.	M/s. Margadarshi Computers, 6-3-570, Denadu Compound, Somajiguda, Hyderabad-500082.	HY/16322	Do. 11-6-93	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/4156/92/DLI
16.	N.C.L. Industries Ltd., 7th Floor, Raghav Ratna Towers Chiragali Lane, Hyderabad-500001.	HY/17031	Do. 11-6-93	30-3-96	1-4-96 to 31-3-99	2/2136/89/DLI
17.	M/s. L. V. Prasad Eye Institute Banjara Hills, Road No. 2, Hyderabad-500034. (A.P.)	AP/HY/18482	Do. 3-4-93	31-7-93	1-8-93 to 31-7-96	2/4470/92/DLI
18.	M/s. Vasavi Co-op. Urban Bank Ltd., 15-2-705/9/11, Milkpet, Hyderabad-500036.	AP/HY/19871	Do. 24-2-92	31-10-95	31-10-95 to 31-10-98	2/3986/92/DLI
19.	M/s. Iania Cements Limited Cuddapah District (A.P.) Chilmakur (P.O.) 516310.	AP/20079	Do. 23-12-92	31-12-94	1-1-95 to 31-12-97	2/4401/92/DLI
20.	M/s. S.I.F.C.O. Sanat Nagar, Hyderabad-500018.	AP/3052	Do. 5-4-93	28-2-94	1-3-94 to 28-2-97	2/3932/92/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

D. K. MARWAH
Regional Provident Fund Commissioner.

S.O. No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/1365.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS THE REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto. The REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Goa from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	CPFC's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Gomantak (P) Ltd., Gomantak Bhawan, St. Inez, P.O. Box 41, Panaji, Goa-403001.	Goa/9758	1-7-92 to 30-6-95	2/72/Goa/95
2	M/s. Kashinath Damodar Naik, Lakshmi Bldg., Below Cine Lata, Margao, Goa, Branches Panjim, Vasco & Ponda.	Goa/9810	1-7-93 to 30-6-96	2/73/Goa/95

1	2	3	4	5
3.	M/s. Merit Pharmaceuticals (P) Ltd., 250, A, Alto Porvorim, Goa-403501.	Goa/10091	1-10-93 to 30-9-96	2/74/Goa/95
4.	M/s. Hotel Rajdhani, Dr. Atmaram Berkar Road, Panji, Goa-403001.	Goa/10305	1-10-93 to 30-9-96	2/74/Goa/95
5.	M/s. Gulf Goans Hotels Co., Ltd., Glendela Bldg., 3rd Floor, R. No. 2, Opp. Azad Maidan, Panaji, Goa-403001.	Goa/10316	1-12-93 to 30-11-96	2/76/Goa/95
6.	M/s. Bicholim Urban Co-Op. Bank Ltd., Nandavan, Central Office, Near Town Centre Bicholim, Goa-403504.	Goa/10323	1-3-92 to 28-2-95	2/77/Goa/95
7.	M/s. Resources International, Damodar Chambers, 3rd Floor, Cunha da Riviera Road, P.O. Box 15, Panjim, Goa-403001.	Goa/10341	1-3-92 to 28-2-95	2/78/Goa/95
8.	M/s. National Controls (I), D3/10, Corlim Indl. Estate, Corlim Ilhas, Goa.	Goa/10367	1-9-93 to 31-8-96	2/79/Goa/95
9.	M/s. Universal Beverages Ltd., Dempo House, Campal, Panaji, Goa-403001.	Goa/10424	1-11-94 to 31-10-97	2/80/Goa/95
10.	M/s. Hi-Tech Lenses Ltd., 50, Tivim Indl. Estate, Mapusa, Goa-403525.	Goa/10429	1-12-94 to 30-11-97	2/23/Goa/95
11.	M/s. Jaywant Tyres, Plot No. 4, Zinglimal, Curti, Ponda, Goa-403401.	Goa/10435	1-3-94 to 28-2-97	2/81/Goa/95
12.	M/s. D-Link (I) P. Ltd., L-5, Verna Electronics, City Verna Plateau, Goa-403722.	Goa/10473	1-8-95 to 31-7-98	2/82/Goa/95
13.	M/s. Mathias Construction (P) Ltd., Mathias Plaza, 18th June Road, Panjim, Goa-403002.	Goa/10404	1-12-94 to 30-11-97	2/18/Goa/95
14.	M/s. J. M. Builders Corporation, Mathias Plaza, 18th June-Road, Panjim, Goa-403002.	Goa/10405	1-12-94 to 30-11-97	9/19/Goa/96

SCHEDULE.—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance prima, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employee.

5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

D. K. MARWAH
Regional Provident Fund Commissioner

The 14th August 1997

No. 2/1959 DLI/Exemp./89/PL 1/1583.—Whereas the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments), have applied for exemption under sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And Whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the RPFC Orissa from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	CPF's File No.
1	2	3	4	5
1	M/s. Orissa State Cashew Development Corporation Ltd., Plot No. 697, Sahid Nagar, Bhubaneswar-751007	OR/2533	1-12-88 to 31-11-91 & 1-12-91 to 30-11-94 & 1-12-94 to 30-11-97	2/4127/92/DLI
2.	M/s. Sources Plastic Industries Pvt. Ltd. 177, Sector-A, Zone-B, Maucheswar Industrial Estate, Bhubaneswar-751010	OR/4175	1-9-94 to 31-8-97	11/12/96/DLI

1	2	3	4	5
3.	M/s. Orissa State Co-op. Land Development Bank Ltd., Jawaharlal Nehru Marg, P.B. No. 56, Bhubaneswar-751001 (3 branches)	OR/847	1-2-88 to 31-1-91 & 1-2-91 to 31-1-94 & 1-2-94 to 31-1-97	11/11/96/DLI/OR
4.	M/s. Gram Vikas AT/PO Mohuda, Via-Berhampur, Dist-Ganjam, Orissa-760002.	OR/4506	1-10-93 to 30-9-96	11/13/96/DLI
5.	M/s. Berhampur Regional Marketing Co-operative Society Ltd., Khajuria Road, Berhampur-760008 (Ganjam)	OR/1005	1-3-89 to 28-2-91 1-3-91 to 28-2-94 & 1-3-94 to 28-2-97	11/9/96/DLI
6.	M/s. Humma & Binchanapalli Salt Production & Sale Co-op. Society Ltd., At/PO Distt. Ganjam, Orissa	OR/515	1-2-89 to 31-1-91 & 1-2-91 to 31-1-94 & 1-2-94 to 31-1-97	11/10/96/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such amounts as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employer, w[hereas] Employees' Provident Fund establishment exempted under his establishment the employ[er] as a member of the Group Insurance Premium in respect of Corporation of India.

eady a member of the Provident Fund of an Act, is employed inately admit him e and pay necessary Insurance Cor-

6. The employer shall make available to the employees Scheme appropriately if the employees under the said Scheme benefits available under the more favourable to the employee under the said Scheme.

he benefits Insurance to the em- b that the me are admis-

7. Notwithstanding at Insurance Scheme, if the amounts payable under the said Scheme, the nominee(s) / nomination.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled;

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled

for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH

No. 2/1959/DI/Exemps/89/Pl.I/1393.—WHEREAS the employee of the establishments mentioned in Schedule-1 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act,

AND WHEREAS, The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the RPFC Hyderabad from the operation of the said scheme for a period of 3 years

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Af fess of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1		3	4	5
1.	M/s. ITC Bha Boards Limi 106, S.P. Roa Secunderabad Four Branc Calcutta	an Paper	AP/11631-A	1-5-93 to 30-4-96
2.	M/s. Mi Limite 32, I.I Hyd	g Industries	AP/17107	1-4-96 to 31-3-99
3.	M I-	Ltd., Road,	AP/24016	1-9-92 to 31-8-95 1-9-95 to 31-8-98
			AP/28999	1-1-96 to 31-12-98
			AP/19637	1-3-94 to 28-2-97

1	2	3	4	5
6.	M/s. Nagarjuna Construction Co. Ltd., 41, Nagarjuna Hills, Panjagutta, Hyderabad including its Branches 500482.	AP/13681	1-4-96 31-3-97	1/84/97/DLI
7.	M/s. Sri Satya Sai Institute of Higher Medical Sciences, Prashanthi Gram-515134 Anantapur Distt. (A.P.)	AP/25594	1-11-94 to 31-10-97	64/97/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH
Regional Provident Fund Commissioner

N. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/1405.—Whereas the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And Whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the RPFC Karnataka from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Fct.	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F.C's File No.
1.	M/s. Goverlong Beach Hotel (I) Ltd., Manjuran Hotel, Old Fort Road, Mangalore-575001.	KN/12360	1-12-92 to 30-11-95 and 1-12-95 to 30-11-98	6/8/DLI/97
2.	M/s. Neethravathi Gramina Bank, Kudmal Ranga Rao Road, Karangalpady, Mangalore-575003 alongwith its branches.	KN/12162	1-7-96 to 30-6-99	6/4/DLI/
3.	M/s. United Roadways, Balmatta Road, Mangalore-KN- 575001 alongwith its branch.	KN/2047	1-1-94 to 31-12-96	6/45/DLI/97

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned, and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pl.I/1413.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS the Regional Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the RPFC Hyderabad from the operation of the said scheme for a period of 3 yrs.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. Bhagyalaxmi Parboiled & Modern Rice Mill, Sagar Road, Miryalaguda-50 District Nalgonda (A.P.).	AP/14072	1-3-91 to 28-2-91	2(14)DLI/AP
2.	M/s. Rayalseema Development Trust, Bangalore Highway Road, Ananthapur-515001.	AP/4776	1-8-94 to 31-7-97	2(29)DLI/AP/95

SCHEDULE-II

- The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- Where for any reason, the employee or the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.
- In case of defaults, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

No. 2/1959/DLI/Excmpl./89/Pt.I/1420—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act,

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to

such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC U.P. from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	CPFC's File No.
1.	M/s. United Public School, 13/393, Civil Lines, Kanpur-208001.	UP/14210	1-8-89 to 31-7-92	15(16)DLI/UP/96
2.	M/s. Kumaon Mandal Vikas Nigam Ltd., Secretariat Building, Nainital (U.P.).	UP/4414	1-3-90 to 28-2-93 & 1-3-93 to 29-2-96	2(5)DLI/UP/95
3.	M/s. Scooters India Ltd. P.O. Sarojini Nagar. Lucknow-226008.	UP/5655	1-8-76 to 31-7-89	15(15)DLI/UP/96
			1-8-88 to 31-7-91 & 1-8-91 to 31-7-94	

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees Legal heir(s) of the deceased member entitled

for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. MARWAH
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/1428.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments), have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Regional Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments, are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto; the Regional Provident Fund Commissioner, hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28 (7) of the said scheme has been granted by the RPFC Goa from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective date of exemption	R.P.F.C's File No.
4.	M/s. Beiersdorf India Ltd., Rua-de Ourem, Panjim, Goa-403001 alongwith its branches.	Goa/9879	1-9-89 to 31-8-92 and 1-9-92 to 31-8-95 and 1-9-95 to 31-8-98	9(20)DLI/Goa/96

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a re-

sonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be canceled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be canceled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

D. K. MARWAH
Regional Provident Fund Commissioner